

राजस्थान सरकार
कार्मिक(ख-3)विभाग
छपी लेखन सामग्री भण्डार

क्रमांक:-प.6(8)कार्मिक / ख-3 / 2022

जयपुर,दिनांक : 03-08-2022

निविदा सूचना

वर्ष 2022-23 के लिए आवश्यकतानुसार खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान / टीशर्ट आदि) क्रय किये जाने हेतु दर संविदा के लिए निविदा दिनांक: 10.08.2022 को अपराह्न 1.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र. सं.	विवरण	अनुमानित राशि	बोली प्रतिभूति राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क
1.	विभिन्न खेलों हेतु खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान / टीशर्ट आदि) क्रय हेतु दर संविदा हेतु निविदा बाबत।	6,50,000.00	13,000.00	200.00+ 36 (18 प्रतिशत जीएसटी)दोनों का ड्राफ्ट / पृथक-पृथक प्रस्तुत करें।

नोट-

1. निविदा से सम्बन्धित नियम, शर्तें एवं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यालय दिवस में वित्तीय सलाहकार, शासन सचिवालय, जयपुर के यहाँ उपरोक्तानुसार निविदा प्रपत्र शुल्क जमा करवाकर प्राप्त कर सकते हैं या विभागीय वेबसाइट www.dop.rajasthan.gov.in एवं सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग की वेब साइट www.dipr.rajasthan.gov.in एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> से भी डाउन लोड किया जा सकता है। डाउन लोड किये गये निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 200/- निविदादाता द्वारा पृथक संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक(ख)विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के नाम से निविदा के साथ संलग्न करना होगा।
2. निविदा प्रपत्र के साथ बोली प्रतिभूति राशि संलग्न करना अनिवार्य है।

सहायक शासन सचिव
कार्मिक(ख-3)विभाग

राजस्थान सरकार
कार्मिक (ख-3) विभाग

क्रमांक: प. 6(8) कार्मिक / ख-3/2022

जयपुर, दिनांक:— 03-08-2022

निविदा सूचना

वर्ष 2022-23 के लिए आवश्यकतानुर खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान/टीशर्ट आदि) कय किये जाने हेतु दर संविदा के लिए निविदा दिनांक: 10.08.2022 को अपरान्ह 1.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है :—

क्र. सं.	विवरण	अनुमानित राशि	बोली प्रतिभूति राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क
1.	विभिन्न खेलो हेतु खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान/टीशर्ट आदि) कय बाबत। (विवरण परिशिष्ट-“ई”)	6,50,000.00	13,000.00	200.00+ 36 (18 प्रतिशत जीएसटी)दोनों का ड्राफट/ पृथक-पृथक प्रस्तुत करें।

सामान्य शर्तें:

- बोली प्रतिभूति राशि के बिना प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
- निविदा प्रपत्र,निविदा सूचना से संबंधित नियम व शर्तें,निर्धारित निविदा शुल्क नकद, वित्तीय सलाहकार ,शासन सचिवालय,जयपुर के कार्यालय में कोई भी विक्रेता किसी भी कार्य दिवस को 3.00 बजे तक जमा करवा कर दिनांक 10-08-2022तक कार्यालय समय में प्राप्त किये जा सकते हैं या विभागीय वेबसाइट www.dop.rajasthan.gov.in एवं सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग की वेब साइट www.dipr.rajasthan.gov.in एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल <http://sppp.raj.nic.in> से भी डाउन लोड किया जा सकता है। डाउन लोड किये गये निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. 200/- निविदादाता द्वारा पृथक से ड्राफट उप शासन सचिव, कार्मिक(ख)विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के नाम से निविदा के साथ संलग्न करना होगा। निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में ही स्वीकार की जावेगी।
- निविदाएं सीलबंद लिफाफे में, जिसके उपर संबंधित निविदा का विवरण अंकित हो, सहायक शासन सचिव, कार्मिक(ख-3)विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के कार्यालय में दिनांक 10-08-2022 को अपरान्ह 1.00 बजे तक पहुँच जानी चाहिए। प्राप्त तकनीकी निविदाएं उसी दिन 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उप शासन सचिव, कार्मिक(ख)विभाग के कक्ष सचिवालय में खोली जावेगी।
- निर्धारित तिथि व समय के पश्चात प्राप्त निविदाएं स्वीकार नहीं की जावेगी।
- उक्त निविदाओं को आंशिक या पूर्ण रूप से स्वीकार/अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार कार्मिक विभाग का होगा।
- तकनीकी निविदा को स्वीकार किये जाने हेतु शर्तें :-**

1. अनिवार्य शर्तें:-

- निर्धारित बोली प्रतिभूति राशि ।
- (i i) निविदा प्रपत्र नेट से डाउन लोड किये जाने पर निविदा के साथ निविदा प्रपत्र शुल्क रु 200/-ड्राफट रु 36/- जी.एस.टी की राशि का ड्राफट/ पृथक पृथक प्रस्तुत करें।

2. आवश्यक शर्तें:-

- आयकर विभाग द्वारा जारी पैन नम्बर की स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणित छायाप्रति ।
- जीएसटी पंजीयन प्रमाण-पत्र की स्वयं द्वारा प्रमाणित प्रति एवं जीएटी रिटर्न दिनांक: 31.03.2022 तक की छाया प्रति स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित उपलब्ध करावें।
- तकनीकी निविदा प्रपत्र भरा हुआ तथा सम्बंधित सभी परिशिष्ट व सभी दस्तावेज स्वयं द्वारा प्रमाणित किये होने चाहिये ।
- फर्म को खेल सामग्री सप्लाई का अनुभव होना आवश्यक है। अनुभव के सम्बन्ध में फर्म द्वारा वर्ष 2021-22 राजकीय विभागों/ संस्थाओं में आपूर्ति किये गये सामग्री का विवरण दिया जाना चाहिये/अथवा सम्बन्धित दस्तावेजों की संतोषजनक कार्य की प्रति प्रस्तुत की जावे।
- फर्म की वित्तीय वर्ष 2021-22 में बिकी/टर्नओवर कुल रूपये 5.00 लाख होना आवश्यक है। इस हेतु निविदादाता द्वारा सीए का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- नमूने प्रस्तुत करना अनिवार्य है। प्राप्त नमूनों की जांच तकनीकी समिति द्वारा की जावेगी तथा अनुपयुक्त नमूनों की दरों पर विचार नहीं किया जावेगा।
- नमूने स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित सामग्री लिस्ट के साथ दिनांक 10.08.2022 को सायंकाल 3.00 बजे तक संबंधित स्टोर में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा ।
- वित्तीय निविदा में प्रस्तुत दरों में ओवर राईटिंग / कटिंग /फ्ल्यूड का उपयोग होने की स्थिति में आद्याक्षर (Initials) करने के पश्चात ही उस वस्तु की दरों पर विचार किया जावेगा।
- निविदा में आमन्त्रित दरे अनुमोदित किये जाने की दिनांक से एक वर्ष की अवधि के लिये विधिमान्य होगी । निविदा अवधि राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम-2013 के नियम- 29 और 73 के अनुसार बढ़ाई जा सकेगी।
- बोली प्रतिभूति/कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि में छूट के लिये आयुक्त, उद्योग विभाग, राजस्थान जयपुर के पास रजिस्ट्रीकृत कुटीर एवं लघु उद्योग विभाग उन मर्दी के सम्बन्ध में जिसके लिये वे इस रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, सामान के कय (राजस्थान के उद्योग के अधिमान) नियम 1995 के नियम-8 के अनुसार अपेक्षित कार्यवाही जो वित्त (जीएफ एण्ड एआर) विभाग के आवेदन क्रमांक : प1(1)वित्त/सा.नि.लेनि./2007 दिनांक 19.10.2010 परिपत्र संख्या 24/2010 तथा अधिसूचना सं. प1(8)वित्त/सा.नि.लेनि./2011 दिनांक 19.11.2015 में वर्णित है के अनुसार प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। अन्यथा बोली प्रतिभूति/कार्यसम्पादन प्रतिभूति राशि में छूट देय नहीं होगी। Udyam Aadhar Certificate संलग्न करना आवश्यक है।

10. सामान/वस्तु की क्या राशि अनुमानित है। अनुबन्ध अवधि के दौरान क्या सामग्री की कुल क्या अनुमानित कीमत से कम/अधिक हो सकती है। जो क्या राज. लोक. उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के उपनियम 29 और 73 के अनुसरण में होगा।
11. विशेष परिस्थितियों में राज. लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के नियम 74 के अनुसार कार्य Fair, Transparent & equitable manner से विभाजित किया जा सकेगा।
12. राज्य में दि. 26.01.2013 से राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 व नियम 2013 प्रभावशील है। अतः उक्त नियिदा पर उक्त अधिनियम व नियम के सभी प्रावधान प्रभावशील होंगे।
13. विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

सहायक शासन सचिव
कार्मिक(ख-3)विभाग

तकनीकी निविदा प्रपत्र

अन्तिम तिथी : 10.08.2022

समय :- दोपहर 1.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र शुल्क:-200/-

हस्ताक्षर
सहायक शासन सचिव

राजस्थान सरकार
कार्मिक (ख-3) विभाग

1. खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान/टीशर्ट आदि) के क्य हेतु दर सविदा के लिये निविदा।
2. निविदा प्रस्तुत करने वाली फर्म का नाम, डाक का पता व मोबाइल नम्बर.....
-
3. किसको सम्मोहित किया गया— सहायक शासन सचिव, कार्मिक (ख-3/स्टोर) विभाग, शासन सचिवालय जयपुर
संदर्भ क्रमांक : प0 6(8)कार्मिक / ख-3/ 2022
4. निविदा प्रपत्र शुल्क— 200/-रुपये नकद रसीद संख्या एवं दिनांक
के द्वारा जमा करवा दी गई हैं ।
5. हम सहायक शासन सचिव, कार्मिक (ख-3/स्टोर) विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर द्वारा जारी की गई निविदा
सूचना संख्या प0 6(8)कार्मिक / ख-3/ 2022 जयपुर, दिनांक 03.08.2022 में वर्णित सभी शर्तों से तथा संलग्न प्रपत्र
में दी गई उक्त निविदा सूचना के अतिरिक्त शर्तों से बाध्य होना स्वीकार करते हैं। (इनके सभी पृष्ठों पर उनमें
उल्लिखित शर्तों को हमारे द्वारा स्वीकार किए जाने के प्रमाण में हमने हस्ताक्षर कर दिये हैं।)
6. निविदा द्वि-प्रकमी बोली के रूप में आमत्रित की गयी है। बोली दाता की तकनीकी क्षमता हेतु निम्न दस्तावेजों
की स्वतः द्वारा प्रमाणित प्रति संलग्न कर तकनीकी निविदा लिफाफा में रखी जायें ।
- (1.) तकनीकी निविदा प्रपत्र भरा हुआ व हस्ताक्षरित ।
(2.) एनेक्सर—ए हस्ताक्षरित ।
(3.) एनेक्सर—बी हस्ताक्षरित ।
(4.) एनेक्सर—सी हस्ताक्षरित ।
(5.) एनेक्सर—डी हस्ताक्षरित ।
(6) एनेक्सर ई हस्ताक्षरित ।
(7) एनेक्सर एफ हस्ताक्षरित ।
(8) एनेक्सर जी हस्ताक्षरित ।
7. बोली प्रतिभूति राशि रुपये 13,000/- का (उप शासन सचिव , कार्मिक(ख)विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के
नाम) बैंक ड्रापट/बैंकर्स चैक संख्या जो (बैंक का नाम) पर
आहरित किया गया है। चालान संख्या दिनांक बोली
प्रतिभूति राशि के पेटे संलग्न किया जाता है।
8. निविदा में आमत्रित दरें अनुमोदित किये जाने की दिनांक से एक वर्ष तक की अवधि के लिये मान्य होगी । अवधि
राज. लोक. उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के उपनियम 29 और 73 के अनुसरण में बढ़ाई जा सकेगी ।
9. निविदा के साथ जीएसटी पंजीयन प्रमाण—पत्र एवं आयकर विभाग द्वारा जारी पेन नम्बर की स्वयं द्वारा प्रमाणित प्रति
प्रस्तुत करना आवश्यक है ।
10. एनेक्सर “एच” में सामग्री की मूल दर प्रति नग, जीएसटी प्रति नग एवं कुल राशि प्रति नग को निर्धारित कॉलम में
पृथक—पृथक स्पष्ट रूप से दर्शाया जावे ।
11. नमूने प्रस्तुत करना अनिवार्य है । प्राप्त नमूनों की जांच तकनीकी समिति द्वारा की जावेगी तथा अनुपयुक्त नमूनों की
दरों पर विचार नहीं किया जावेगा ।
12. (क)आपूर्ति की जाने वाली सामग्री की अनुमानित मात्रा एवं स्पेसिफिकेशन संलग्न एनेक्सर—ई के अनुसार है ।
(ख) सप्लाई की जाने वाली सामग्री की दरें अलग से वित्तीय निविदा प्रपत्र एनेक्सर—एच में अंकित की गयी है ।
उक्त वित्तीय निविदा पत्र को अलग से वित्तीय निविदा के लिफाफे में बन्द किया गया है ।
13. क्य आदेश दिये जाने की दिनांक से 15 दिवस की अवधि के भीतर फर्म द्वारा माल की सुपुर्दगी कर दी जाएगी ।
विभाग को तत्काल आवश्यकता होने पर क्य आदेश की आपूर्ति 5 दिवस तक कम की जा सकेगी । माल की
सुपुर्दगी समय—समय पर दिये गये आदेशानुसार निर्धारित समय में की जावेगी ।
14. विनिर्माता/डीलर आदि का घोषणा पत्र भी संलग्न किया जाता है। संलग्न— एनेक्सर—“एफ”
15. (i) मुख्य लिफाफे में रखे जाने वाले वित्तीय निविदा के लिफाफे में एनेक्सर—“एच” के साथ कोई दस्तावेज संलग्न
नहीं किया जावे एवं केवल दरें स्पष्टरूप से अंकित की जावे ।
- (ii) बोली में कोई भी संशोधन जैसे कि अंतरालेखन, उदर्घर्षण या लिप्तलेखन केवल तब विधिमान्य होगा जब वे बोली
हस्ताक्षरित करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित या आध्यक्षरित किये गये हों।
16. (i) निविदा प्रपत्र में अंकित शर्तों के अतिरिक्त किसी प्रकार की कोई शर्त अंकित न की जावे । सशर्त निविदाएँ स्वीकार
नहीं की जावेगी ।
17. निविदा प्रपत्र में अंकित शर्तों के अतिरिक्त किसी प्रकार की कोई शर्त अंकित न की जावे । सशर्त निविदाएँ स्वीकार

18. यदि फर्म किसी अनुमोदित आईटम को सप्लाई करने में किसी कारण से असमर्थ है तो उसे लिखित रूप में कारणों को प्रमाणित दस्तावेजों में प्रस्तुत करना होगा उसके उपरान्त क्य समिति के अनुमोदन के पश्चात उसके समकक्ष या अन्य मेक का आईटम फर्म द्वारा उपलब्ध करवाना आवश्यक होगा । यदि फर्म उक्त सामग्री सप्लाई नहीं करती है तो सरकार स्थानीय बाजार से उक्त या उसके समकक्ष बाजार में उपलब्ध अन्य मेक की सामग्री क्य करने के लिए खत्र छोड़ी एवं अन्तर राशि फर्म की प्रतिभूति राशि अथवा बिल में से समायोजित की जावेगी ।
19. **तकनीकी निविदा को स्वीकार किये जाने हेतु अनिवार्य शर्तेः—**
- 1- अनिवार्य शर्तेः—
 - (i) निर्धारित बोली प्रतिभूति राशि ।

(i i) निविदा प्रपत्र नेट से डाउन लोड किये जाने पर निविदा के साथ निविदा प्रपत्र शुल्क रु 200/-ड्राफ्ट एवं रु 36/- जी.एस.टी की राशि का ड्राफ्ट/ पृथक पृथक प्रस्तुत करें।
 2. आवश्यक शर्तेः—
 - (i) जीएसटी पंजीयन प्रमाण—पत्र की स्वयं द्वारा प्रमाणित प्रति ।
 - (i i) जीएटी रिटर्न दिनांक: 31.03.2022 तक की छाया प्रति स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित उपलब्ध करावें□
 - (iii) आयकर विभाग द्वारा जारी पैन नम्बर स्वयं द्वारा प्रमाणित ।
 - (iv) तकनीकी निविदा प्रपत्र भरा हुआ तथा सम्बंधित सभी परिशिष्ट व सभी दस्तावेज स्वयं द्वारा प्रमाणित किये होने चाहिये ।
 - (ii) फर्म को खेल सामग्री सप्लाई का अनुभव होना आवश्यक है । अनुभव के सम्बन्ध में फर्म द्वारा वर्ष 2021–22 राजकीय विभागों/संस्थाओं में आपूर्ति किये गये सामग्री का विवरण दिया जाना चाहिये/अथवा सबन्धित दस्तावेजों की संतोषजनक कार्य की प्रति प्रस्तुत की जावे ।
 - (vi) फर्म की वित्तीय वर्ष 2021–22 में बिक्री/टर्नओवर कुल रूपये 5.00 लाख होना आवश्यक है । इस हेतु निविदादाता द्वारा सीए का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है ।
 - (vii) नमूने प्रस्तुत करना अनिवार्य है । प्राप्त नमूनों की जांच तकनीकी समिति द्वारा की जावेगी तथा अनुपयुक्त नमूनों की दरों पर विचार नहीं किया जावेगा ।
 - (viii) नमूने स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित सामग्री लिस्ट के साथ दिनांक 10.08.2022 को सांयकाल 3.00 बजे तक संबंधित स्टोर में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा ।
 20. **तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त पाये जाने पर ही निविदादाता की वित्तीय निविदा खोली जावेगी ।**
 21. सामान/वस्तु की क्य राशि अनुमानित है । अनुबन्ध अवधि के दौरान क्य सामग्री की कुल क्य अनुमानित कीमत से कम/अधिक हो सकती है । जो क्य राज. लोक. उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के उपनियम 29 और 73 के अनुसरण में होगी ।
 22. राज. लोक. उपापन में पारदर्शिता नियम—2013 के उपनियम—29 (ज) के अनुसार दर संविदा के अधीन कीमतें, कीमत गिरने के खण्ड अध्यधीन होंगी । कीमत गिरने का खण्ड दर संविदाओं में कीमत सुरक्षा कियाविधि है और यह उपबंध करता है कि यदि दर संविदा धारक, दर संविदा के चालू रहने के दौरान किसी भी समय राज्य में किसी को दर संविदा कीमत से कम कीमत पर समान माल, संकर्म या सेवाएं देने के लिए उसकी कीमत कोट करता/कम करता है तो उस दर संविदा के अधीन उपापन की विषय वस्तु के समस्त परिदान के लिए दर संविदा कीमत, कीमत कम करने या कोट करने की तारीख से स्वतः कम हो जायेगी और दर संविदा तदनुसार संशोधित की जायेगी । समानान्तर दर संविदा धारण करने वाली फर्मों को भी कम की हुई कीमत अधिसूचित करके अपनी कीमत कम करने का अवसर देते हुए पुनरीक्षित कीमत की उनकी स्वीकारोक्ति से सूचित करने के लिए पन्द्रह दिन का समय दिया जायेगा । इसी प्रकार यदि कोई समानान्तर दर संविदा धारक फर्म, दर संविदा के चालू रहने के दौरान अपनी कीमत कम करती है तो उसकी कम की गयी कीमत अन्य समानान्तर दर संविदा धारक फर्मों और मूल दर संविदा धारक फर्म को अपनी कीमतें तत्समान कम करने के लिए संसूचित की जायेगी । यदि कोई दर संविदा धारक फर्म, कीमत कम करने से सहमत नहीं होती है तो उनके साथ आगे और संव्यवहार नहीं किया जायेगा ।
 23. विशेष परिस्थितियों में राज. लोक उपापन में पारदर्शिता नियम—2013 के नियम—74 के अनुसार कार्य Fair, Transparent & equitable manner से विभाजित किया जा सकेगा ।
 24. **बोली दस्तावेजों में परिवर्तन :-** बोली प्रस्तुत करने के लिए अन्तिम समय—सीमा से पूर्व किसी भी समय, उपापन संस्था किसी कारण से चाहे स्वप्रेरणा पर या बोली लगाने वाले के द्वारा स्पष्टीकरण के लिए किसी अनुरोध के परिणामसंवरूप, धारा 23 के उपबंधों के अनुसार युक्तिका जारी करके बोली दस्तावेजों को उपान्तरित कर सकेगी ।

निविदादाता के हस्ताक्षर

1. निविदादाता का नाम
 2. डाक का पता
 3. टेलीफोन नं. (दुकान) (घर)
- जयपुर, दिनांक

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील

Annexure A : Compliance with the Code of Integrity and No Conflict of Interest

Any person participating in a procurement process shall -

- (a) not offer any bribe, reward or gift or any material benefit either directly or indirectly in exchange for an unfair advantage in procurement process or to otherwise influence the procurement process;
- (b) not misrepresent or omit that misleads or attempts to mislead so as to obtain a financial or other benefit or avoid an obligation;
- (c) not indulge in any collusion, Bid rigging or anti-competitive behavior to impair the transparency, fairness and progress of the procurement process;
- (d) not misuse any information shared between the procuring Entity and the Bidders with an intent to gain unfair advantage in the procurement process;
- (e) not indulge in any coercion including impairing or harming or threatening to do the same, directly or indirectly, to any party or to its property to influence the procurement process;
- (f) not obstruct any investigation or audit of a procurement process;
- (g) disclose conflict of interest, if any; and
- (h) disclose any previous transgressions with any Entity in India or any other country during the last three years or any debarment by any other procuring entity.

Conflict of Interest:-

The Bidder participating in a bidding process must not have a Conflict of Interest.

A Conflict of Interest is considered to be a situation in which a party has interests that could improperly influence that party's performance of official duties or responsibilities, contractual obligations, or compliance with applicable laws and regulations.

i. A Bidder may be considered to be in Conflict of Interest with one or more parties in a bidding process if, including but not limited to:

- a. have controlling partners/ shareholders in common; or
- b. receive or have received any direct or indirect subsidy from any of them; or
- c. have the same legal representative for purposes of the Bid; or
- d. have a relationship with each other, directly or through common third parties, that puts them in a position to have access to information about or influence on the Bid of another Bidder, or influence the decisions of the Procuring Entity regarding the bidding process; or
- e. the Bidder participates in more than one Bid in a bidding process. Participation by a Bidder in more than one Bid will result in the disqualification of all Bids in which the Bidder is involved. However, this does not limit the inclusion of the same subcontractor, not otherwise participating as a Bidder, in more than one Bid; or
- f. the Bidder or any of its affiliates participated as a consultant in the preparation of the design or technical specifications of the Goods, Works or Services that are the subject of the Bid; or
- g. Bidder or any of its affiliates has been hired (or is proposed to be hired) by the Procuring Entity as engineer-in-charge/ consultant for the contract.

Annexure B : Declaration by the Bidder regarding Qualifications

Declaration by the Bidder

In relation to my/our Bid submitted to for procurement of in response to their Notice Inviting Bids No..... Dated..... I/we hereby declare under Section 7 of Rajasthan Transparency in Public Procurement Act, 2012, that:

1. I/we possess the necessary professional, technical, financial and managerial resources and competence required by the Bidding Document issued by the Procuring Entity;
2. I/we have fulfilled my/our obligation to pay such of the taxes payable to the Union and the State Government or any local authority as specified in the Bidding Document;
3. I/we are not insolvent, in receivership, bankrupt or being wound up, not have my/our affairs administered by a court or a judicial officer, not have my/our business activities suspended and not the subject of legal proceedings for any of the foregoing reasons;
4. I/we do not have, and our directors and officers not have, been convicted of any criminal offence related to my/our professional conduct or the making of false statements or misrepresentations as to my/our qualifications to enter into a procurement contract within a period of three years preceding the commencement of this procurement process, or not have been otherwise disqualified pursuant to debarment proceedings;
5. I/we do not have a conflict of interest as specified in the Act, Rules and the Bidding Document, which materially affects fair competition;

Date:

Place:

Signature of bidder

Name :

Designation:

Address:

Doc1

Annexure C : Grievance Redressal during Procurement Process

The designation and address of the First Appellate Authority is Ministry of Finance
The designation and address of the Second Appellate Authority is Parliamentary Committee

(1) Filing an appeal

If any Bidder or prospective bidder is aggrieved that any decision, action or omission of the Procuring Entity is in contravention to the provisions of the Act or the Rules or the Guidelines issued thereunder, he may file an appeal to First Appellate Authority, as specified in the Bidding Document within a period of ten days from the date of such decision or action, omission, as the case may be, clearly giving the specific ground or grounds on which he feels aggrieved:

Provided that after the declaration of a Bidder as successful the appeal may be filed only by a Bidder who has participated in procurement proceedings:

Provided further that in case a Procuring Entity evaluates the Technical Bids before the opening of the Financial Bids, an appeal related to the matter of Financial Bids may be filed only by a Bidder whose Technical Bid is found to be acceptable.

(2) The officer to whom an appeal is filed under para (1) shall deal with the appeal as expeditiously as possible and shall endeavour to dispose it off within thirty days from the date of the appeal.

(3) If the officer designated under para (1) fails to dispose of the appeal filed within the period specified in para (2), or if the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity is aggrieved by the order passed by the First Appellate Authority, the Bidder or prospective bidder or the Procuring Entity, as the case may be, may file a second appeal to Second Appellate Authority specified in the Bidding Document in this behalf within fifteen days from the expiry of the period specified in para (2) or of the date of receipt of the order passed by the First Appellate Authority, as the case may be.

(4) Appeal not to lie in certain cases

No appeal shall lie against any decision of the Procuring Entity relating to the following matters, namely:-

- (a) determination of need of procurement;
- (b) provisions limiting participation of Bidders in the Bid process;
- (c) the decision of whether or not to enter into negotiations;
- (d) cancellation of a procurement process;
- (e) applicability of the provisions of confidentiality.

(5) Form of Appeal

(a) An appeal under para (1) or (3) above shall be in the annexed Form along with as many copies as there are respondents in the appeal.

(b) Every appeal shall be accompanied by an order appealed against, if any, affidavit verifying the facts stated in the appeal and proof of payment of fee.

Doc 1

(c) Every appeal may be presented to First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, in person or through registered post or authorised representative.

(6) **Fee for filing appeal**

(a) Fee for first appeal shall be rupees two thousand five hundred and for second appeal shall be rupees ten thousand, which shall be non-refundable.

(b) The fee shall be paid in the form of bank demand draft or banker's cheque of a Scheduled Bank in India payable in the name of Appellate Authority concerned.

(7) **Procedure for disposal of appeal**

(a) The First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, upon filing of appeal, shall issue notice accompanied by copy of appeal, affidavit and documents, if any, to the respondents and fix date of hearing.

(b) On the date fixed for hearing, the First Appellate Authority or Second Appellate Authority, as the case may be, shall,-
(i) hear all the parties to appeal present before him; and
(ii) peruse or inspect documents, relevant records or copies thereof relating to the matter.

(c) After hearing the parties, perusal or inspection of documents and relevant records or copies thereof relating to the matter, the Appellate Authority concerned shall pass an order in writing and provide the copy of order to the parties to appeal free of cost.

(d) The order passed under sub-clause (c) above shall also be placed on the State Public Procurement Portal.

FORM No. 1
[See rule 83]

Memorandum of Appeal under the Rajasthan Transparency in Public Procurement
Act, 2012

Appeal No of

Before the (First / Second Appellate Authority)

1. Particulars of appellant:

(i) Name of the appellant:

(ii) Official address, if any:

(iii) Residential address:

2. Name and address of the respondent(s):

(i)

(ii)

(iii)

3. Number and date of the order appealed against
and name and designation of the officer / authority
who passed the order (enclose copy), or a
statement of a decision, action or omission of
the Procuring Entity in contravention to the provisions
of the Act by which the appellant is aggrieved:

4. If the Appellant proposes to be represented
by a representative, the name and postal address
of the representative:

5. Number of affidavits and documents enclosed with the appeal:

6. Grounds of appeal:

.....
.....
..... (Supported by an

7.

.....
.....
.....

Prayer:

Place

Date

Appellant's Signature

Annexure D : Additional Conditions of Contract

1. Correction of arithmetical errors

Provided that a Financial Bid is substantially responsive, the Procuring Entity will correct arithmetical errors during evaluation of Financial Bids on the following basis:

- i. if there is a discrepancy between the unit price and the total price that is obtained by multiplying the unit price and quantity, the unit price shall prevail and the total price shall be corrected, unless in the opinion of the Procuring Entity there is an obvious misplacement of the decimal point in the unit price, in which case the total price as quoted shall govern and the unit price shall be corrected;
 - ii. if there is an error in a total corresponding to the addition or subtraction of subtotals, the subtotals shall prevail and the total shall be corrected; and
 - iii. if there is a discrepancy between words and figures, the amount in words shall prevail, unless the amount expressed in words is related to an arithmetic error, in which case the amount in figures shall prevail subject to (i) and (ii) above.
- If the Bidder that submitted the lowest evaluated Bid does not accept the correction of errors, its Bid shall be disqualified and its Bid Security shall be forfeited or its Bid Securing Declaration shall be executed.

2. Procuring Entity's Right to Vary Quantities

(i) At the time of award of contract, the quantity of Goods, works or services originally specified in the Bidding Document may be increased or decreased by a specified percentage, but such increase or decrease shall not exceed twenty percent, of the quantity specified in the Bidding Document. It shall be without any change in the unit prices or other terms and conditions of the Bid and the conditions of contract.

(ii) If the Procuring Entity does not procure any subject matter of procurement or procures less than the quantity specified in the Bidding Document due to change in circumstances, the Bidder shall not be entitled for any claim or compensation except otherwise provided in the Conditions of Contract.

(iii) In case of procurement of Goods or services, additional quantity may be procured by placing a repeat order on the rates and conditions of the original order. However, the additional quantity shall not be more than ~~50%~~ of the value of Goods of the original contract and shall be within one month from the date of expiry of last supply. If the Supplier fails to do so, the Procuring Entity shall be free to arrange for the balance supply by limited Bidding or otherwise and the extra cost incurred shall be recovered from the Supplier.

3. Dividing quantities among more than one Bidder at the time of award (In case of procurement of Goods)

As a general rule all the quantities of the subject matter of procurement shall be procured from the Bidder, whose Bid is accepted. However, when it is considered that the quantity of the subject matter of procurement to be procured is very large and it may not be in the capacity of the Bidder, whose Bid is accepted, to deliver the entire quantity or when it is considered that the subject matter of procurement to be procured is of critical and vital nature, in such cases, the quantity may be divided between the Bidder, whose Bid is accepted and the second lowest Bidder or even more Bidders in that order, in a fair, transparent and equitable manner at the rates of the Bidder, whose Bid is accepted.

क्रय की जाने वाली खेल पौशाक(ट्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान / टीशर्ट आदि) का विवरण

क्र0 सं0 1	समग्री का नाम मय विर्निदेशों 2	अनुमानित मात्रा 3	पूर्ण स्पेसिफिकेशन / मार्का अंकित किया जावे। 4
1.	विभिन्न साईज के ट्रेक सूट – अपर (ए-ग्रेड) माईको 4 Way Lycra 250 GSM विभिन्न साईज के ट्रेक सूट – लोअर (Without Grip)(ए-ग्रेड) माईको 4 Way Lycra 250 GSM	.400 सैट	
2.	विभिन्न साईज के टीशर्ट ड्राई फिट फेब्रिक, सब्लिमेशन प्रिंट हाफ बाजू/कॉलर (ए-ग्रेड) माईको पॉलिस्टर 180 GSM नेकर ड्राई फिट फेब्रिक (पोकेट/बिना पोकेट के) (ए-ग्रेड) माईको पॉलिस्टर 180 GSM	400 सैट	
3.	किकेट किट (लोअर एवं अपर) माईको पॉलिस्टर 200 GSM	32 सैट	

नोट:-

- निविदा के साथ सेप्पल प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा एवं क्रय गुणवत्ता पर आधारित होगा। नमूने दिनांक 10.08.2022 को सांयकाल 3.00 बजे तक संबंधित स्टोर में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।
- वित्तीय निविदा में दरे अंकित करते समय यह ध्यान रखा जावे कि एनेक्सर "ई" के कॉलम संख्या 4 में जो मेक/स्पेसिफिकेशन अंकित किया है, उसी वस्तु/सामग्री की दरे वित्तीय निविदा में अंकित की जावे।

निविदादाता के हस्ताक्षर

- निविदादाता का नाम
- डाक का पता
- टेलीफोन नं. दुकान—

घर—

जयपुर,

दिनांक:

निविदादाता के हस्ताक्षर मय मोहर

एनेक्सर "" एफ""

निविदादाताओं द्वारा घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने जिन मालों/स्टोर्स/उपकरण के लिए निविदा दी है, उनका/मैं/हम बोनाफाईड/थोक विक्रेता/सोल विवरक /प्राधिकृत डीलर/ सोल सेलिंग/विपणन एजेण्ट हैं ।

यदि यह घोषणा असत्य पायी जाए तो किसी भी अन्य कार्यवाई जो की जा सकती है, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मेरी /हमारी प्रतिभूति को पूर्ण रूप में समर्पित कर लिया जाएगा तथा निविदा को, जिस सीमा तक उसे स्वीकार किया गया है, रद्द कर दिया जाए ।

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील

निविदादाता का नाम

पूर्ण पता

टेलीफोन न0 (निवास)
(कार्यालय)

खुली निविदा के लिए निविदा एवं संविदा की शर्तें

- टिप्पणी :- निविदादाताओं को इन शर्तों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए तथा अपनी निविदाएँ भेजते समय इनका पूर्णरूपेण पालन करना चाहिए।
1. निविदाओं को निविदा सूचना में दिए गए निर्देशों के अनुसार उचित रूप से मुहरबन्द लिफाफे में बन्द करना चाहिए।
 - 2.(1) फर्म के गठन आदि में किसी भी परिवर्तन की सूचना केता अधिकारी को लिखित में ठेकेदार द्वारा दी जायेगी तथा इस परिवर्तन से संविदा के अधीन किसी भी दायित्व से, फर्म के पहले सदस्य को मुक्त नहीं किया जाएगा।
 - (2) संविदा के सम्बन्ध में फर्म में किसी भी नए भागीदार / भागीदारों के ठेकेदार द्वारा फर्म में तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक वह इसकी समस्त शर्तों को मानने के लिए बाध्य नहीं हो जाते एवं केता अधिकारी को इस सम्बन्ध में लिखित इकारार नामा प्रस्तुत नहीं कर देते। प्राप्ति स्वीकृति के लिए ठेकेदार की रसीद या बाद में उपरोक्त रूप में स्वीकार की गई किसी भागीदारी की रसीद उन सब को बाध्य करेगी तथा वह संविदा के किसी प्रयोजन के लिए पर्याप्त रूप से उन्मुक्त (डिस्कार्ड) होगी।
 3. कोई भी डॉलर यदि उस राज्य में, प्रचलित जहाँ उसका व्यवसाय स्थित है, जीएसटी के अन्तर्गत पंजीकृत नहीं है तो वह निविदा नहीं देगा।
 4. निविदा प्रारूप स्थाही से भरा जाएगा या टंकित किया जायेगा। पैसिल से भरी गई किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता निविदा के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर करेगा तथा अन्त में निविदा के समस्त निबंधनों एवं शर्तों को स्वीकार करने के प्रमाण में हस्ताक्षर करेगा।
 5. दरें स्पष्ट रूप से लिखी जाएगी। इसमें कोई त्रुटियों या उपरिलेखन नहीं होना चाहिए। यदि कोई शुद्धियों करनी हों तो स्पष्ट रूप से की जानी चाहिए एवं उन पर दिनांक सहित लघुहस्ताक्षर किए जाने चाहिए।
 6. दरें गन्तव्य स्थान पर एफ. ओ. आर उद्घृत की जानी चाहिए तथा उनमें सभी आनुषंगिक प्रभारों को शामिल करना चाहिए।
 7. **मूल्यांकन में क्या अधिमान:-** बोलियों के मूल्यांकन और संविदा के अधिनिर्णय में राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित और बोली दस्तावेजों में यथा-वर्णित क्या अधिमान पर विचार किया जायेगा।
 8. **विधिमान्यता-**निविदा की वैधता अवधि 90 दिवस की होगी।
 9. अनुमोदित प्रदायकर्ता के लिए यह समझा जाएगा कि उसने प्रदाय किये जाने वाले माल की शर्तों, विनिर्देशों, आकार में एवं रेखाचित्रों आदि की सावधानीपूर्वक जॉच कर ली है। यदि उसे इन शर्तों, विनिर्देशों, रेखाचित्र आदि के किसी भाग के आशय के बारे में कोई सन्देह हो, तो वह संविदा पर हस्ताक्षर करने से पूर्व, उसे केता अधिकारी को भेजेगा तथा उससे स्पष्टीकरण प्राप्त करेगा।
 10. ठेकेदार अपनी संविदा को या उसके किसी सारवान भाग को किसी अन्य एजेन्सी को नहीं सौंपेगा या उप-भाड़े (सब लैट) पर नहीं देगा।
 12. **विनिर्देश :-** (i) प्रदाय की गई सभी वस्तुएँ निविदा में निर्धारित विनिर्देश, ट्रेडमार्क के पूर्णतया अनुरूप होगी तथा जहाँ पर वस्तुओं की आई.एस.आई. विनिर्देश के अनुसार अपेक्षा की गई हो, वहाँ उन मदों को पूर्णरूप से उन विनिर्देशों के अनुरूप होना चाहिए तथा उन पर वह मार्क हाना चाहिए। प्रदाय की गई वस्तु नवीनतम पैकिंग की होनी चाहिये। यदि किसी वस्तु के साथ कम्पनी द्वारा कोई फी आईटम दिया जारहा है तो वह आईटम भी वस्तु के साथ देना होगा।
(ii) तारा चिन्ह से अंकित / क्रम संख्या पर अंकित वस्तुओं का प्रदाय, अन्य बातों के साथ, अनुमोदित नमूनों के ठीक अनुरूप होगा तथा अन्य सामग्रियों के मामलों में, जहाँ कोई मानकीकृत या अनुमोदित नमूने न हों, वहाँ अन्युल्तम गुणवत्ता एवं विवरण की वस्तु का प्रदाय किया जाएगा। केता अधिकारी / केता समिति का इस सम्बन्ध में कि क्या प्रदाय की गई वस्तुएँ विनिर्देशों के अनुरूप हैं, तथा क्या वे नमूनों, यदि कोई हो, के अनुसार हैं, किया गया निर्णय अन्तिम एवं निविदादाताओं के लिए बाध्यकारी होगा।
 - (iii) वारंटी / गारंटी खण्ड:-निविदादाता यह गारंटी देगा कि माल/ सामान/ वस्तुएँ खरीदे जाने वाले उक्त माल / सामान / वस्तुओं की सुरुदर्गी के दिनांक सेदिनों / माहों की अवधि तक यथा विनिर्दिष्ट विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप बनी रहेंगी, तथा इस तथ्य के बावजुद की केता ने उक्त मालों / सामानों / वस्तुओं का निरीक्षण कर लिया हैं एवं / या उन्हें अनुमोदित कर दिया है, यदि दिनों / माहों की उक्त अवधि में, उक्त मालों / सामानों / वस्तुओं को उपरोक्त विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया गया या वे समात हो गए हैं (तथा उस सम्बन्ध में केता अधिकारी का निर्णय अन्तिम व निर्णायक होगा), तो केता उक्त मालों / सामानों / वस्तुओं को या उनके उस भाग को जो उक्त विवरण एवं गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया जाए, रद्द करने का हकदार होगा। ऐसे रद्द किये जाने पर माल / सामान / वस्तुएँ विकेता की जांचिम पर होंगी तथा माल आदि को रद्द करने से सम्बन्धित समस्त उपबंध लागू होंगे। निविदादाता यदि उसे ऐसा करने के लिए कहा जाय तो वह उस माल आदि को या उसके भाग को जिसे केता अधिकारी द्वारा रद्द कर दिया गया है, बदल देगा, अन्यथा निविदादाता ऐसी नुकसानी के लिए भुगतान करेगा जो इसमें दी गई शर्त के उल्लंघन के कारण उत्पन्न होगी। इसमें दी गई कोई भी बात से इस संविदा के अधीन या अन्यथा उस सम्बन्ध में केता अधिकारी के किसी अन्य अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी।
 - (iv) मशीनों एवं उपकरणों के मामले में भी, उक्त खण्ड (3) में उल्लेखित किए गए अनुसार गारंटी दी जाएगी तथा निविदादाता गारंटीकृत अवधि में पुर्जा। यदि कोई हो, को बदलेगा और किसी भी विनिर्माण की कमी को दूर करेगा यदि उक्त अवधि में वैसा पाया जाए, ताकि मशीन एवं उपकरण ठीक काम कर सके। निविदादाता मशीनों एवं उपकरणों को उस स्थिति में भी बदलेगा यदि वे ऐसे दोषपूर्ण पाये जाएँ कि विनिर्माण की त्रुटि आदि के कारण उन्हें काम में नहीं लिया जा सकता हों।

निविदादाता के हस्ताक्षर

13. **निरीक्षण—** (क) केता अधिकारी या उसका विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि, सभी युक्तियुक्त समयों पर प्रदायकर्ता के परिसर में जाएगा तथा उसे विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान या उसके बाद, जैसा भी निश्चय किया जाए, सभी युक्तियुक्त समयों पर मालों / उपकरणों / मशीनों की सामग्री एवं गुणवत्ता का निरीक्षण एवं जॉच करने की शक्ति होगी। (ख) निविदादाता अपने कार्यालय, गोदाम एवं वर्कशाप के परिसर का, जहाँ पर निरीक्षण किया जा सकता है, पूर्ण पता, उस व्यक्ति का नाम व पते के साथ देगा जिससे उस प्रयोजन के लिए समर्पक करना होगा। उन डीलरों के मामले में, जो व्यवसाय में नए प्रविष्ट हुए हैं, अपने बैंकसे से एक परिचय—पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।
14. **नमूने—** अनुसूची में अंकित वस्तुओं के साथ उचित रूप से पैक की गई निविदत वस्तुओं के दो नमूने प्रस्तुत किए जाएंगे। ऐसे नमूने, यदि व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किए जाएं तो कार्यालय में प्राप्त किए जाएंगे। नमूने प्राप्त करने वाले अधिकारी द्वारा प्रत्येक नमूने के लिए रसीद दी जाएंगी। यदि ये नमूने ट्रेन आदि से भेजे जाते हैं, तो इन्हें भुगतान कर भाड़े द्वारा भिजाने चाहिए तथा आर / आर या जी.आर एक पृथक रजिस्टर्ड लिफाफे द्वारा भेजी जानी चाहिए। केटरिंग / खाद्य पदार्थों के नमूने प्लास्टिक बॉक्स / पोलीथीन के थेलों में निविदादाता के खर्च पर दिये जाने चाहिए। साथ ही नमूने का पूर्ण स्पेसिफिकेशन विवरण एवं कठेलॉग सलंगन करना अनिवार्य है।
- क. निविदादाता को प्रत्येक आईटम / उपकरण/उत्पाद की दरें सम्पूर्ण विशिष्टियों सहित देनी होगी अर्थात् उत्पाद / उपकरण का नाम / ट्रेडमार्क / व्यापारिक नाम तथा उपनाम यदि कोई हो आदि सहित दरें प्रस्तुत करेगा तथा प्रत्येक का नमूना प्रस्तुत करेगा।
15. प्रत्येक नमूने पर, उस पर, या उस पर मजबूती से चिपकायी गई किसी मजबूत कागज की पर्ची पर निविदादाता का नाम, मद की क्रम संख्या जिसका वह अनुसूची में नमूना है, आदि लिखे जाएंगे।
16. अनुमोदित नमूनों को संविदा के समाप्त होने के बाद छह माह की अवधि तक निःशुल्क रखा जाएगा। इस अवधि में इन नमूनों को प्रतिधारित करने के दौरान उनमें परीक्षण, जॉच आदि के दौरान किसी भी नुकसान, टूट-फूट हानि के लिए सरकार उत्तरदायी नहीं होगी। निर्धारित अवधि की समाप्ती पर निविदादाता द्वारा नमूनों को वापस लिया जाएगा। सरकार किसी भी रूप में उन्हें लौटाने की व्यवस्था नहीं करेगी। संविदा समाप्त होने की अवधि के बाद यदि 9 माह की अवधि के भीतर कोई नमूने प्राप्त नहीं किए जाते हैं तो उन्हें सरकार द्वारा समप्रहृत (Forefeite) कर लिया जाएगा तथा उनकी लागत आदि के लिए कोई क्लेम नहीं किया जाएगा।
17. निविदादाताओं द्वारा अनुमोदित नहीं किए गए नमूनों को प्राप्त किया जाएगा। जिस अवधि में इन नमूनों को रखा जाता है उनमें परीक्षण, जॉच आदि के दौरान किसी भी प्रकार के नुकसान, टूट-फूट, हानि के लिए सरकार उत्तरदायी नहीं होगी। जो नमूने वापस नहीं लिए जाएंगे उन्हें समप्रहृत किया जाएगा तथा उनकी लागत आदि के लिए किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
18. प्रदाय जब भी प्राप्त किया जाएगा उनका निरीक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा कि वह विनिर्देशों या अनुमोदित नमूनों के अनुरूप हैं। जहाँ आवश्यक हो या विहित किया गया हो या व्यावहारिक हो, वहाँ परीक्षण सरकारी प्रयोगशालाओं एवं तत्समान परीक्षण गृहों में कराया जाएगा तथा जहाँ पर प्रदाय किया गया सामान इन परीक्षणों के परिणामस्वरूप विहित विनिर्देशों के स्तर के अनुरूप पाया जाएगा, उन्हें स्वीकार किया जाएगा।
19. रद्द करना :—
- (i) निरीक्षण या परीक्षण के दौरान जो वस्तुएँ अनुमोदित नहीं की जाएंगी उन्हें रद्द किया जाएगा तथा निविदादाता द्वारा उन्हें केता अधिकारी द्वारा निश्चित किए गए समय के भीतर अपनी स्वयं की लागत पर बदला जाएगा।
 - (ii) तथापि, यदि सरकारी कार्य की तात्कालिक आवश्यकता के कारण, उन वस्तुओं को पूर्ण या आंशिक रूप में बदलना साध्य (feasible) नहीं समझा जाए, तो केता अधिकारी निविदादाता को सुनवाई किए जाने का एक उचित अवसर देकर, ऐसे कारणों से जो अभिलिखित किए जाएंगे, अनुमोदित दरों में से उपयुक्त राशि की कटौती करेगा। इस प्रकार की गयी कटौती अन्तिम होगी।
20. रद्द की गई वस्तुओं को निविदादाता उन्हें रद्द करने की सूचना प्राप्त करने से 15 दिन के भीतर हटा लेगा, इसके बाद केता अधिकारी किसी भी प्रकार की हानि, कमी या नुकसान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा तथा उसे निविदादाता की जोखिम पर उसके मद्दे उन वस्तुओं को जिन्हें वह उचित समझे, बेचने का अधिकार होगा।
21. निविदादाता उचित पैकिंग करने के लिए उत्तरदायी होगा ताकि समुद्र, रेल, सड़क या वायुयान द्वारा परिवहन की सामान्य स्थिति में उनमें कोई नुकसान न हो तथा गन्तव्य स्थल पर माल प्राप्तकर्ता को माल की सुपुर्दगी अच्छी दशा में प्राप्त हो सके। किसी प्रकार की हानि, नुकसान, टूट-फूट या रिसाव (लीकेज) या किसी कमी के होने के मामले में, निविदादाता माल प्राप्तकर्ता द्वारा उन सामग्रियों की जॉच / निरीक्षण किए जाने पर पाई गई ऐसी हानि एवं कमी की पूर्ति करने के लिए उत्तरदायी होगा। इसके लिए कोई अतिरिक्त लागत अनुज्ञाय नहीं होगी।
22. प्रदाय हेतु संविदा को, यदि माल का प्रदाय केता अधिकारी की सतुष्टि के अनुसार नहीं किया जाता है तो निविदादाता को सुनवाई का एक युक्तियुक्त अवसर देने के बाद केता अधिकारी किसी भी समय निराकृत (repudiate) कर सकता है। वह इस प्रकार निराकृत करने के कारणों को अभिलिखित करेगा।
23. निविदादाता या उसके प्रतिनिधि की ओर से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपना समर्थन कराना एक प्रकार की अनर्हता (disqualification) होगी।

24.(i)	सुपुर्दगी अवधि :— निविदादाता, जिसकी निविदा स्वीकार की जाए..... द्वारा प्रदाय आदेश करने की तारीख से 15 दिवस की अवधि के भीतर निम्न प्रकार सामान का प्रदाय करने की व्यवस्था करेगा:-			
	क्रम संख्या	मद	मात्रा	सुपुर्दगी अवधि
(ii)	(ii) अतिरिक्त मदों या अतिरिक्त परिमाणों के लिए युनरादेश, यदि यह बोली दस्तावेजों में उपबंधित हो, संविदा में दी गयी दरों और शर्तों पर दिये जा सकेंगे यदि मूल आदेश खुली प्रतियोगी बोलियां आमंत्रित करने के पश्चात दिया गया था। प्रदाय या पूर्ण होने की कालावधि राज. लोक. उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के उपनियम 29 एवं 73 के अनुसरण में बढ़ायी जा सकेगी।			15 दिवस या आदेशानुसार
25.	बोली प्रतिभूति:- 1. बोली प्रतिभूति दस हजार रुपये तक के मूल्य वाले छोटे उपापन और धारा 30 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) और (ग) के अधीन सीमित बोली, कोटेशन के लिए अनुरोध, मौके पर क्रय, एकल स्रोत उपापन और प्रतियोगी बातचीत की पद्धतियों द्वारा उपापन के मामले में नहीं ली जायेगी।			
	2.	खुली प्रतियोगी बोली, द्वि-प्रकर्मी बोली, दर संविदा, इलेक्ट्रोनिक रिवर्स नीलाम के मामले में बोली प्रतिभूति बोली के लिए प्रस्तुत उपापन की विषय वस्तु के प्राककलित मूल्य का 2 प्रतिशत होगी या जैसा राज्य सरकार विनिर्दिष्ट करे। राजस्थान के लघु उद्योगों की दशा में यह प्रदाय के लिए प्रदत्त मात्रा का 0.5 प्रतिशत होगी और लघु उद्योगों से भिन्न रूप उद्योगों की दशा में जिनके मामले औद्योगिक एवं वित्त पुनर्निर्माण बोर्ड के समक्ष लम्बित है, यह बोली के मूल्य का 1 प्रतिशत होगी। राज्य सरकार द्वारा रजिस्ट्रीकृत बोली लगाने वालों से विनिर्दिष्ट रियायती बोली प्रतिभूति ली जा सकेगी। उपापन प्रक्रिया में भाग लेने वाले प्रत्यक्ष बोली लगाने वाले से यदि छूट प्राप्त नहीं हो तो बोली आमंत्रित करने वाली सूचना में यथा विनिर्दिष्ट बोली प्रतिभूति देने की अपेक्षा की जायेगी।		
	3.	बोली प्रतिभूति के स्थान पर बोली प्रतिभूति घोषणा राज्य सरकार के विभागों और सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रित या प्रबंधित उपकरणों, निगमों स्वायत निकायों रजिस्ट्रीकृत सोसाइटियों सहकारी सोसाइटियों और केन्द्रीय सरकार या राजस्थान के सरकारी उपकरण और कम्पनियों से ली जायेगी।		
	4.	बोली प्रतिभूति लिखित या बोली प्रतिभूति की नकद रसीद या बोली प्रतिभूति करने की घोषणा आवश्यक रूप से मुहरबंद बोली के साथ होगी।		
	5.	उपापन संस्था के पास अन्य बोलियों में प्रतिक्षित विनिश्चय के संबंध रखी हुई बोली लगाने वाले की बोली प्रतिभूति, नयी बोली के लिए बोली प्रतिभूति में समायोजित नहीं की जायेगी। तथापि मूल रूप से जमा करायी गयी बोली प्रतिभूति बोली के पुनः आमंत्रित किये जाने की दशा में विचार में ली जा सकती है।		
	6.	बोली प्रतिभूति बैंकर चैक या मांगदेय ड्राफ्ट या अनुसूचित बैंक के विनिर्दिष्ट रूपविधान में बैंक गारंटी या सरकारी विभागों की दशा में ई.जी.आर.ए.एस के माध्यम से जमा के रूप में दी जा सकेगी। बोली प्रतिभूति की मूल बढ़ायी गयी विधिमान्यता की कालावधि से तीस दिन आगे तक विधिमान्य रहनी चाहिए।		
	7.	बोली दस्तावेजों में यह नियत किया जा सकेगा कि बोली प्रतिभूति का निर्गमी और बोली प्रतिभृति की पुष्टि करने वाला, यदि कोई हो, के साथ ही बोली प्रतिभूति की पुष्टि करने वाला, यदि कोई हो के साथ ही बोली प्रतिभूति का प्ररूप और निबंधन उपापन संस्था को स्वीकार्य हाना चाहिए। अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगी बोली की दशा में बोली दस्तावेजों में यह भी नियत किया जा सकेगा कि बोली प्रतिभूति भारत में किसी निर्गमी द्वारा जारी की जायेगी।		
	8.	यह अपेक्षित हो तो प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत करने से पूर्व बोली लगाने वाला बोली प्रतिभूति के प्रस्थापित निर्गमी या प्रस्थापित पुष्टि करने वाले की स्वीकार्यता को पुष्ट करने के लिए उपापन संस्था से अनुरोध कर सकेगा। उपापन संस्था ऐसे किसी अनुरोध का तत्परता से प्रत्युत्तर देगी।		
	9.	बोली प्रतिभूति के रूप में प्रस्तुत बैंक गारंटी की संबंधित जारी करने वाले बैंक से पुष्टि करायी जायेगी। तथापि प्रस्तावित निर्गमी या किसी प्रस्तावित पुष्टि करने वाले की स्वीकार्यता की पुष्टि इस आधार पर बोली प्रतिभूति को स्वीकार करने से उपापन संस्था को अपवर्जित नहीं करती है कि निर्गमी या यथास्थिति पुष्टि करने वाला दिवालिया हो गया या अन्यथा उधार के लिए पात्र नहीं रह गया है।		
	10.	असफल बोली लगाने वालों की बोली प्रतिभूति का प्रतिदाय सफल बोली की अंतिम स्वीकृति और करार के हस्ताक्षर करने और कार्य सम्पादन प्रतिभूति जमा करने के शीघ्र पश्चात कर दी जायेगी, अर्थात् :-		
	11.	(क) जब बोली लगाने वाला बोली के खुलने के पश्चात अपनी बोली प्रत्याह्रत या उपन्तरित करता है। (ख) जब बोली लगाने वाला प्रदाय/संकर्म आदेश देने के पश्चात विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर करार यदि कोई हो, का निष्पादन नहीं करता है। (ग) जब बोली लगाने वाला विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रदाय/संकर्म आदेश के अनुसार माल या सेवा का प्रदाय या संकर्म का निष्पादन प्रारंभ करने में असफल रहता है। (घ) जब बोली लगाने वाला प्रदाय/संकर्म आदेश दिये जाने के पश्चात विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर कार्य सम्पादन प्रतिभूति जमा नहीं करता है। (ड) यदि बोली लगाने वाला अधिनियम और इन नियमों के अध्याय 6 में विनिर्दिष्ट बोली लगाने वालों के लिए विहित सत्यनिष्ठा की सहिता के किसी उपबंध का भंग करता है।		
	12.	सफल बोली लगाने वाले की दशा में बोली प्रतिभूति की रकम कार्य सम्पादन प्रतिभूति की रकम में समायोजित की जा सकती है या लौटायी जा सकती है यदि सफल बोली लगाने वाला पूर्ण रकम की कार्य सम्पादन प्रतिभूति दे देता है।		
	13.	उपापन संस्था निम्नलिखित दशाओं के शीघ्र पश्चात बोली प्रतिभूति को तत्परता से लौटा देगी अर्थात् (क) बोली प्रतिभूति की विधिमान्यता के अवसान पर (ख) सफल बोली लगाने वाले के द्वारा उपापन के लिए करार के निष्पादन और कार्य सम्पादन प्रतिभूति देने पर (ग) उपापन प्रक्रिया के रद्दकरण पर, या (घ) बोली प्रस्तुत करने के लिए अन्तिम समय—सीमा से पूर्व बोली के प्रत्याहरण पर जब तक कि बोली दस्तावेजों में यह अनुबंध नहीं हो कि ऐसा कोई प्रत्याहरण अनुज्ञात नहीं किया गया है।		

26. **कार्य सम्पादन प्रतिभूति।**— कार्य सम्पादन प्रतिभूति की अर्थथना राज्य सरकार के विभागों और ऐसे उपकरणों, निगमों, स्वायत्त निकायों, रजिस्ट्रीकृत सोसाइटियों सहकारी सोसाइटियों जो राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण या प्रबंध में हों और केन्द्रीय सरकार के उपकरणों के सिवाय समस्त सफल बोली लगाने वालों से की जायेगी। तथापि उनसे एक कार्य सम्पादन प्रतिभूति घोषणा ली जायेगी। राज्य सरकार किसी विशिष्ट उपापन या उपापन के किसी प्रवर्ग के मामले में कार्य सम्पादन प्रतिभूति के उपबंध को शिथिल कर सकेगी।
- (2) कार्य सम्पादन प्रतिभूति की रकम माल और सेवाओं के उपापन के मामले में प्रदाय आदेश की रकम की 2.5 प्रतिशत या जैसी कि बोली दस्तावेज में विनिर्दिष्ट की जाये, होगी और संकर्मों के उपापन के मामले में संकर्म आदेश की रकम की 3 प्रतिशत होगी। राजस्थान के लघु उद्योगों के मामले में माल के प्रदाय के लिए आदिष्ट परिमाण की रकम की 0.5 प्रतिशत होगी और लघु उद्योगों से भिन्न रूप उद्योगों जिनके मामले औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के समक्ष लम्बित है के मामले में यह प्रदाय आदेश की रकम का 1 प्रतिशत होगी।
- (3) RTPP नियम 75 के अनुसार कार्य सम्पादन प्रतिभूति एवं नियम 75 A के अनुसार अतिरिक्त कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि निम्नलिखित प्ररूपों में से किसी एक में प्रस्तुत की जायेगी :—
- (क) “ई. जी. ए. एस. के माध्यम से जमा
- (ख) किसी अनुसूचित बैंक का बैंक ड्राइवर या बैंक वैक
- (ग) राष्ट्रीय बचत पत्र और राजस्थान में किसी डाकघर द्वारा अल्प बचत के प्रोन्नयन के लिए राष्ट्रीय बचत स्कीमों के अधीन जारी कोई अन्य रिकॉर्ड/लिखित यदि वह सुसंगत नियमों के अधीन बंधक रखी जा सकती हो। बोली के समय व उनके समर्पण मूल्य पर स्वीकार की जायेगी और मुख्य डाकपाल के अनुमोदन से औपचारिक रूप से उपापन संस्था के नाम अंतरित की जायेंगी।
- (घ) किसी अनुसूचित बैंक की बैंक गारंटी/गारंटियां यह जारी करने वाले बैंक से सत्यापित करायी जायेगी। बैंक गारंटी से संबंधित अन्य शर्तें बोली प्रतिभूति के लिए नियम 42 में वर्णित के समान होंगी।
- (ङ) किसी अनुसूचित बैंक की नियत जमा रसीद (एफडीआर) यह बोली लगाने वाले के खाते उपापन संस्था के नाम होगी और बोली लगाने वाले द्वारा अग्रिम रूप से उन्मोचित की जायेगी उपापन संस्था नियत जमा रसीद को स्वीकार करके के पूर्व यह सुनिश्चित करेगी कि बोली लगाने वाला बैंक की ओर से उपापन संस्था को संबंधित बोली लगाने वाले की सहमति की अपेक्षा के बिना नियत जमा रसीद का मांग पर संदाय/समयांगूह संदाय करने का वचन देता है कार्य सम्पादन प्रतिभूति के सम्पहरण की दशा में नियत जमा ऐसी नियत जमा पर अर्जित व्याज साथ सम्पहरत कर ली जायेगी।
- (4) उप-नियम (3) के खण्ड (ख) से (ङ) के प्ररूप विनिर्दिष्ट कार्य सम्पादन प्रतिभूति वारंटी बाध्यताओं और रखरखाव दोष दायित्व कालावधि को सम्मिलित करते हुए बोली लगाने वाले समस्त संविदाजात बाध्यताओं के पूरा होने की तारीख से परे पचास(50) दिनों की कालावधि के लिए विधिमान्य रहेगी।
27. **करार का निष्पादन।**— (1) कोई उपापन संविदा ऐसी तारीख से प्रवृत होगी जिसको स्वीकृति पत्र या आशय पत्र बोली लगाने वाले को प्रेषित किया जाता है।
- (2) सफल बोली लगाने वाला, बोली दस्तावेज में विनिर्दिष्ट कालावधि के भीतर या जहां बोली दस्तावेज में कोई कालावधि विनिर्दिष्ट नहीं की गयी हो वहां उस तारीख से पंद्रह दिवस के भीतर, जिस पर सफल बोली लगाने वाले को स्वीकृत पत्र या आशय पत्र प्रप्त किया जाता है उपापन संविदा पर हस्ताक्षर करेगा।
- (3) यदि बोली लगाने वाला, जिसकी बोली स्वीकृत की जा चुकी है, विनिर्दिष्ट कालावधि में लिखित उपापन संविदा पर हस्ताक्षर करने में विफल रहता है या अपेक्षित कार्य सम्पादन प्रतिभूति देने में विफल रहता है तो उपापन संस्था, सफल बोली लगाने वाले के विरुद्ध अधिनियम या इन नियमों के उपबंधों के अनुसार कार्यवाई करेगी। उपापन संस्था, ऐसे मामलों में उपापन प्रक्रिया रद्द कर सकती या यदि वह उचित समझ तो, बोली दस्तावेज में उपर्याप्त कसीटी और प्रक्रियाओं के अनुसार, न्यूनतम या सर्वाधिक लाभप्रद दरों पर अगले न्यूनतम या सर्वाधिक लाभप्रद दर की बोली लगाने वाले को, स्वीकृति का प्रस्ताव दे सकेगी।
- (4) बोली लगाने वाले को, उसके खर्चे पर विनिर्दिष्ट मूल्य के न्यायिकतर स्टाम्प पर करार निष्पादित करने के लिए कहा जायेगा।
28. बोली प्रतिभूति/कार्य सम्पादन प्रतिभूति राशि में छूट के लिये आयुक्त, उद्योग विभाग, राजस्थान जयपुर के पास रजिस्ट्रीकृत कूटीर एवं लघु उद्योग विभाग उन मदों के सम्बन्ध में जिसके लिये वे इस रूप में रजिस्ट्रीकृत हैं, सामान का कद्य (राजस्थान के उद्योग के अधिमान) नियम 1995 के नियम-8 के अनुसार अपेक्षित कार्यवाही जो वित्त (जीएफ एण्ड एआर) विभाग के आदेश क्रमांक : प1(1)वित्त/सा.पि.लेनि./2007 दिनांक 19.10.2010 परिपत्र संख्या 24/2010 में वर्णित है के अनुसार प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। अन्यथा बोली प्रतिभूति/कार्यसम्पादन प्रतिभूति राशि में छूट देयनहीं होगी।
29. कार्य सम्पादन प्रतिभूति का सम्पहरण :— प्रतिभूति की राशि को पूर्ण या आंशिक रूप से निम्नलिखित मामलों में सम्पहरत किया जा सकेगा।
- (क) जब संविदा के किन्हीं निर्बंधनों और शर्तों का उल्लंघन किया गया हो।
- (ख) जब निविदादाता सम्पूर्ण प्रदाय सन्तोषजनक ढंग से करने में असफल रहा हो।
- (ग) कार्य सम्पादन प्रतिभूति को सम्पहरत करने के मामले में युक्तियुक्त समय पूर्व नोटिस दिया जाएगा। इस सम्बन्ध में केता अधिकारी का निर्णय अनिवार्य होगा।
30. करार पत्र को पूर्ण करने एवं उस पर स्टाम्प लगाने के व्यय का भुगतान निविदादाता द्वारा किया जाएगा तथा विभाग को उस करार की एक निष्पादित स्टाम्प शुदा प्रतिपड़त (Counter foil) निःशुल्क दी जाएगी।
31. (i) समस्त माल रेलवे या गुड्स ट्रांस्पोर्ट के जरिए भाड़ा चुका कर भेजा जाएगा। यदि माल भेज दिया जाता है तथा उसका भाड़ा चुकाना हो, तो प्रदायकर्ता के बिल में से उस भाड़े के 5% की दर से विभागीय प्रभारों की भी वसूली की जाएगी।
- (ii) आर आर केवल बैंक के माध्यम से रजिस्टर्ड लिफाफे में भेजी जानी चाहिए।
- (iii) यदि केता अधिकारी माल को पैसेन्जर ट्रेन से भिजवाने की इच्छा करता है तो सम्पूर्ण रेल भाड़ा विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।
- (iv) भुगतान करने पर किए गए प्रेक्षण प्रभार (Remittance charges) निविदादाता द्वारा वहन किए जाएंगे।
32. बीमा :—
- (i) सामान गन्तव्य गोदाम पर सही दशा में सुपुर्द किए जाएंगे। यदि प्रदायकर्ता चाहे तो वह मूल्यवान सामान की चोरी, नाशन या नुकसान द्वारा या आग, बाढ़, मौसम में पड़ा रहने के कारण या अन्यथा (जैसे—युद्ध विद्रोह, दंगे आदि) द्वारा हाँनि से बचाने के लिए बीमा करा सकेगा। यह बीमा प्रभार निविदादाता द्वारा वहन किया जाएगा तथा यदि ऐसे व्यय किए जाते हैं तो राज्य में इन प्रभारों का भुगतान करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

- (ii) यदि केता द्वारा चाहा गया हो तो केता की लागत पर भी इन वस्तुओं का बीमा कराया जा सकेगा। ऐसे मामलों में बीमा सदैव भारतीय जीवन बीमा निगम या उसकी सहायक शाखाओं से कराया जाना चाहिए।
33. मुगातान :-
- (i) दुर्विरभ एवं विशिष्ट मामलों के सिवाय अग्रिम भुगतान नहीं किया जाएगा। यदि अग्रिम भुगतान किया जा रहा हो तो वह माल प्रेषित करने के सबूत पर तथा रेल / प्रतिष्ठित गुड्स ट्रांस्पोर्ट कम्पनियों आदि द्वारा वित्तीय शक्तियों में विहित की गई सीमा तक तथा पूर्व निरीक्षण, यदि कोई हो, किए जाने पर किया जाएगा। अतिशेष राशि, यदि कोई हो, का भुगतान माल अच्छी हालत में प्राप्त होने पर तथा निरीक्षण के समय पृष्ठाकृत और निविदादाता को नहीं दिए गए उस आशय के प्रमाण-पत्र पर दिए जाने पर दिया जाएगा।
- (ii) जब तक पक्षकारों के मध्य अन्यथा सहमति न हो जाए, सामान की सुपुर्दी के लिए भुगतान निविदादाता द्वारा केता अधिकारी को उचित प्रारूप में सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों के अनुसार बिल प्रस्तुत करने पर किया जाएगा तथा सभी प्रेषण प्रभार निविदादाता द्वारा बहन किए जाएंगे।
- (iii) विवादास्पद मदों के सम्बन्ध में, राशि का 10 से 25% तक को रोका जाएगा तथा उस विवाद का निपटारा हो जाने पर उसका भुगतान कर दिया जाएगा।
- (iv) उन मामलों के सम्बन्ध में, जिनमें परीक्षण करने की जरूरत है, भुगतान तभी किया जाएगा जब उनका परीक्षण कर लिया जाए तथा प्राप्त हुए परीक्षण परिणाम विहित विनिर्देशों के अनुरूप हों।
34. (i) निविदा प्रपत्र में सुपुर्दी के लिए विनिर्दिष्ट समय को संविदा के सार रूप में समझा जाएगा तथा सफल निविदादाता केता अधिकारी से स्पष्ट आदेश के प्राप्त होने पर अवधि के भीतर प्रदाय करेगा।
- (ii) परिसमाप्ति नुकसानी:- परिसमाप्ति नुकसानी के साथ सुपुर्दी अवधि में वृद्धि करने के मामले में, वसूली निम्नलिखित प्रतिशतता के आधार पर उन सामानों के मूल्यों के लिए की जाएगी जिनका निविदादाता प्रदाय करने में असफल रहा है :-(इस संबंध में यदि कोई हो तो नीविदा प्रपत्र में अकिंत की गई शर्तें ही लागू होगी।)
- | | | | |
|-----|-----|--|-----|
| (1) | (क) | विहित सुपुर्दी अवधि की एक चौथाई अवधि तक के विलम्ब के लिए | 2½% |
| | (ख) | एक चौथाई अवधि से अधिक किन्तु विहित अवधि की आधी अवधि से अनधिक के लिए | 5% |
| | (ग) | आधी अवधी से अधिक किन्तु विहित अवधि के तीन चौथाई से अनधिक अवधि के लिए | 7½% |
| | (घ) | विहित अवधी की तीन चौथाई से अधिक के विलम्ब के लिए | 10% |
- (2) प्रदाय में विलम्ब की अवधि की गणना करते समय आधे दिन से कम भाग को छोड़ दिया जाएगा।
- (3) परिसमाप्ति नुकसानी की अधिकतम राशि 10% होगी।
- (4) यदि प्रदायकर्ता किन्हीं बाधाओं के कारण सविदान्तर्गत माल का प्रदाय पूरा करने के लिए समय में वृद्धि करना चाहता है, तो वह लिखित में उस प्राधिकारी को आवेदन करेगा जिसने प्रदायकर्ता हेतु आदेश दिया है। किन्तु वह उसके लिए निवेदन बाधा के घटित होने पर तुरन्त उसी समय करेगा न कि प्रदाय पूर्ण होने की निर्धारित तारीख के बाद करेगा।
- (5) यदि माल का प्रदाय करने में उत्पन्न हुई बाधा निविदादाता के नियन्त्रण से परे कारणों से हुई हो तो सुपुर्दी की अवधि में वृद्धि परिसमाप्ति नुकसानी सहित या रहित की जा सकती।
35. वसूलियाँ :- परिसमाप्ति नुकसानी, कम प्रदाय, टूट-फूट, रदद की गई वस्तुओं के लिए वसूली साधारण रूप से बिल में से की जाएगी। प्रदायकर्ता कम प्रदाय, टूट-फूट, रदद किए गए मामलों की सीमा तक राशि को भी रोका जा सकेगा तथा यदि प्रदायकर्ता सन्तोषजनक ढंग से उनको नहीं बदलता है तो परिसमाप्ति नुकसानी के साथ वसूली उसकी देय राशि (dues) एवं विभाग के पास उपलब्ध प्रतिभूति निक्षेप की जाएगी। यदि वसूली करना सम्भव न हो तो राजस्थान पी डी आर एकत या प्रवृत किसी अन्य कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी।
36. निविदादाताओं को यदि आवश्यक हो तो आयात लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अपनी स्वयं की व्यवस्था करनी चाहिए।
37. यदि निविदादाता ऐसी शर्तें आरोपित करता है जो इसमें वर्गित शर्तों के अतिरिक्त हैं या उनके विरोध में हैं, तो उसकी निविदा को संक्षिप्त रूप में कार्यवाही कर रदद कर दिया जाएगा। किसी भी सूरत में इनमें से किसी भी शर्त को स्वीकार किया हुआ नहीं समझा जाएगा जब तक कि केता अधिकारी द्वारा जारी किए गए निविदा स्वीकृति के पत्र में विशेष रूप से उल्लेखित न किया गया हो।
48. केता अधिकारी किसी भी निविदा को जो आवश्यक रूप से न्यूनतम दर की निविदा नहीं है, स्वीकार करने, बिना कोई कारण बताये किसी भी निविदा को रदद करने या जिन वस्तुओं के लिए निविदादाता ने निविदा दी है, उन सब के लिए या किसी एक या अधिक के लिए निविदा को स्वीकार करने या एक फर्म / प्रदायकर्ता से अधिक को सामान की मदों को विपरित करने के अधिकार को अपने पास आक्षित रखेगा।
39. निविदादाता करार को निष्पादित करते निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेंगा :-
- (i) यदि भारीदारी फर्म हो तो भारीदारी विलेख (पार्टनरशिप डील) की एक अनुप्रमाणित प्रति।
- (ii) यदि भारीदारी फर्म रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स के पास पंजीकृत हो तो पंजीयन संख्या एवं उसका वर्ष।
- (iii) एक मात्र स्वामित्व के मामले में आवास एवं कार्यालय का पता, टेलीफोन नम्बर।
- (iv) कम्पनी के मामले में कम्पनी के रजिस्ट्रार के द्वारा जारी किया गया प्रमाण-पत्र।
40. यदि संविदा के निर्वचन (Interpretation), आशय या संविदा की शर्तों के उल्लंघन के सम्बन्ध में कोई विवाद उत्पन्न होता है तो पक्षकारों द्वारा मामले को विभागाध्यक्ष को भेजा जायेगा, जो उस विवाद के लिए एक मात्र मध्यस्थ (सोल आर्टिस्ट्रेटर) के रूप में अपने वरिष्ठतम उपअधिकारी की नियुक्ति करेगा। ये उस अधिकारी इस संविदा से सबद्व नहीं होगा, तथा उसका निर्णय अन्तिम होगा।
41. समस्त विधिक कार्यवाहियाँ, यदि संस्थित किया जाना आवश्यक हो, किसी भी पक्षकार (सरकार या ठेकेदार) द्वारा जयपुर में स्थित न्यायालयों में ही की जाएगी, अन्यत्र नहीं की जाएंगी।
42. उपरोक्त शर्तों के अतिरिक्त जहाँ आवश्यक हो सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियमों एवं राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शित अधिनियम-2012 व नियम-2013 के प्रावधान लागू होंगे।
43. प्रदायी की गई सभी वस्तुएं निविदा में निर्धारित संबंधित खेल की विशिष्टता ट्रेडमार्क के पूर्णतया अनुरूप होगी तथा जहाँ पर वस्तुओं की आई.एस.आई विनिर्देशों के अनुसार अपेक्षा की गई हो वहां उन मदों को पूर्ण रूप से उन विनिर्देशों के अनुरूप होना चाहिए तथा उन पर वह मार्क होना चाहिए।

एनेक्सर "एच"

नोट:- अलग से लिफाफे में जिस पर वित्तीय निविदा अकिंत हो प्रस्तुत किया जावे

वित्तीय निविदा (केवल दरों अकिंत की जावे)

क्रय की जाने वाली खेल पौशाक(द्रेक सूट सैट एवं नेकर-बनियान/टीशर्ट आदि) का
विवरण

क्र0 सं0 1	वस्तु का नाम मय विर्निदेशों 2	मूल दर प्रति सेट 3	जीएसटी 4	कुल मूल्य प्रति सेट जीएसटी सहित 5
1.	विभिन्न साईज के ट्रेक सूट - अपर (ए-ग्रेड) माईको 4 Way Lycra 250 GSM विभिन्न साईज के ट्रेक सूट- लोअर (Without Grip)(ए-ग्रेड) माईको 4 Way Lycra 250 GSM			
2.	विभिन्न साईज के टीशर्ट ड्राइ फिट फेब्रिक, सब्लिमेशन प्रिंट हाफ बाजू/कॉलर (ए-ग्रेड) माईको पॉलिस्टर 180 GSM नेकर ड्राइ फिट फेब्रिक (पोकेट/बिना पोकेट के) (ए-ग्रेड) माईको पॉलिस्टर 180 GSM			
3	किकेट किट (लोअर एवं अपर) माईको पॉलिस्टर 200 GSM			

निविदादाता के हस्ताक्षर

- नोट-1. सामग्री की मूल दर एवं जीएसटी को अलग से दर्शाया जावे।
2. न्यूनतम दरों का निर्धारण आईटम वाईज किया जावेगा।

1. निविदादाता का नाम

2. डाक का पता

3. टेलीफोन नं. (दुकान)

(घर)

जयपुर,
दिनांक

निविदादाता के हस्ताक्षर मय सील